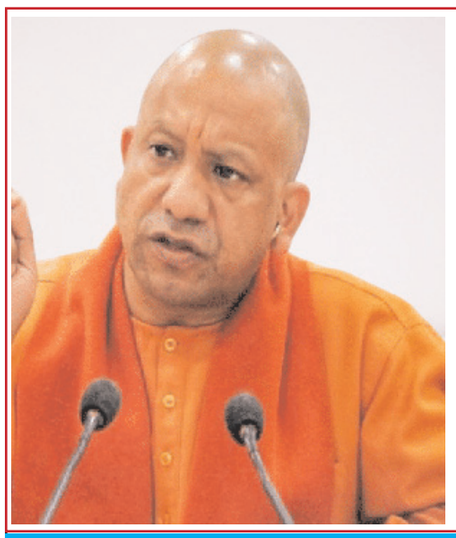

राष्ट्रीय हिन्दी अख़बार

क्राइम कर्स

जुनून सच्चाई का...

मंगलवार | 6 जून 2023 | लखनऊ | वर्ष 08 | अंक-157 | पेज -04 | मूल्य - 01 |

कटक और भुवनेश्वर का दौरा करेंगी ममता बनर्जी...04 | बिगड़ते पर्यावरण को बचाने की चुनौती... 03 | मंगेतर ने किया था दुष्कर्मै.... 02

crimecursnewsv1@Gmail.com

अखिलेश यादव का भाजपा पर वार, बोले- 2024 में इनका उत्तर प्रदेश और देश, दोनों जगह से हो जाएगा सफाया

2024 चुनाव को लेकर राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। एक ओर जहां विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन की कवायद में जुटे हैं तो वहीं भाजपा लगातार सरकार के कामकाज लोगों तक पहुंचा रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियां बता रही। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 2024 में भाजपा का देश से सफाया हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे। अखिलेश यादव ने कहा कि यह जो ट्रिपल इंजन का सपना दिखा रहे थे, वह ट्रिपल इंजन भिड़ गए। उन्होंने दावा किया कि इनके (भाजपा) सांसद पुलिस को पीट रहे हैं। सरकार अपराधियों को बचा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में भाजपा का उत्तर प्रदेश और देश दोनों से सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा भेदभाव करती है, भाजपा के नेता चाहे जितनी गुण्डई, बदमाशी करें उन पर कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा सरकार में उनकी पार्टी के लोगों के सौ खून माफ हैं, वहीं गरीब, पिछड़ा, मुसलमान और समाजवादी लोगों पर बुल्डोजर चलाया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को साड़ी के कारोबार और बुनकर भाइयों की समस्या के समाधान से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें बस नर्सरी याद आती है और अपने आप को भूल जाते हैं कि उन पर कौन-कौन से मुकदमे थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी की पूरी सरकार बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की बात करते थे। आज जब पहलवान बेटियां धरने पर बैठी है तो इनका नारा कहां है? इनका नारा केवल इसलिए था कि नारियों, बेटियों से वोट मिल जाए।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर हुई मौत, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

क्राइम कर्स

अयोध्या। थाना कुमारगंज क्षेत्र के कुमारगंज – बहादुरगंज संपर्क मार्ग पर स्थित बीज विधायन संयंत्र के पास अज्ञात वाहन ने अपाची बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के इटौंजा गांव निवासी 25 वर्षीय शाहरुख पुत्र कयूम घर पर रहकर गन्ना क्रय केंद्र पर गन्ने की ढुलाई कर परिवार का खर्चा चला रहा था, परिजनों के अनुसार गन्ने की ढुलाई का पैसा क्रय केंद्र खंडासा पर बकाया था, उसी को लाने के लिए अपनी अपाची मोटरसाइकिल से जा रहा था। कुमारगंज से बहादुरगंज संपर्क मार्ग पर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के बीज विधायन केंद्र के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। शाहरुख अपनी अपाची मोटरसाइकिल यूपी- 44- बी- 5874 के साथ काफी दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी पुलिस को दिया सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज संजीव सिंह, उप निरीक्षक अभिषेक सिंह, कमलेश साहनी, चौकी प्रभारी एनडीए संतोष कुमार मौर्य, कांस्टेबलों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जब तक एंबुलेंस बुलाकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाते तब तक शाहरुख की मौत हो चुकी थी ,उधर घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंच गए पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचायत नामा भराने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक संजीव सिंह ने बताया कि दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश कराई जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलते ही विधिक कार्यवाही की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपित किए गए पौधे पर्यावरण के प्रति लोगों को दिलाई गई शपथ

क्राइम कर्स

मिल्कीपुर अयोध्या-विश्व पर्यावरण दिवस सरकारी, अर्द्ध सरकारी एवं स्वयंसेवी संगठनों द्वारा मनाया गया, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं अध्यापकों एवं स्वयंसेवी संगठनों ने पौधे लगाने के प्रति शपथ दिलाई गई। सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज के सीएमएस की अगुवाई में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। सीएमएस रजत चौरसिया ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन नहीं बल्कि हर दिन हम लोगों को मनाना चाहिए और सोचना चाहिए कि कहीं आपके द्वारा पर्यावरण को किसी भी रूप से नुकसान तो नहीं पहुंचाया जा रहा। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के 470 परिषदीय विद्यालयों में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया अध्यापकों ने छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को शपथ दिलाई तथा पर्यावरण के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वृक्षारोपण भी किया। कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के रजिस्टर डां पीएस प्रमानिक ने विश्व विद्यालय के खेल मैदान में वृक्षारोपण किया तथा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों तथा एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस के छात्र-छात्राओं वृक्षारोपण के प्रति शपथ दिलाई। इसी क्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता नमिता जोशी ने अमानीगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत बिरौलीझाम गांव में ग्रामीणों के साथ वृक्षारोपण किया तथा पर्यावरण के प्रति ग्रामीणों को जागरुक करते हुए शपथ दिलाई। उप जिला अधिकारी मिल्कीपुर अमित जायसवाल ने रेवना गांव में वृक्षारोपण कर लोगों को पर्यावरण के प्रति सजग रहने की अपील की तथा शपथ दिलाई इसी क्रम में क्षेत्रीय वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने बकचुना वनरक्षक चौकी पर ग्रामीणों को एकत्र कर पर्यावरण के प्रति जागरूक किया तथा शपथ दिलाई। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

अस्पताल में फल वितरित कर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने मनाया मुख्यमंत्री का जन्म दिवस

क्राइम कर्स

मिल्कीपुर अयोध्या। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 51वें जन्मदिवस पर अमानीगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पवन कुमार सिंह ने नगर पंचायत कुमारगंज के सौ शैय्या अस्पताल कुमारगंज पहुंचकर अस्पताल के सीएमएस रजत चौरसिया के साथ जनरल वार्ड, इमरजेंसी वार्ड में भर्ती सभी मरीजों को फल वितरण किऐ। एवं उनका हाल-चाल भी लिया और उनके जल्द ही ठीक होने की कामना भी की। पवन सिंह ने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं अयोध्या में भगवान श्री रामचंद्र का भव्य मंदिर का निर्माण कार्य भी चल रहा है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है आगे भी विकास कार्य होते रहेंगे। जिन अस्पतालों में ग्रामीण क्षेत्र की जनता उपचार कराना पसंद नहीं करती थी। आज योगी सरकार के समय में अस्पताल में इलाज कराने भारी संख्या में पहुंच रहे हैं ,सभी जांचें निःशुल्क हो रही है तथा आवश्यक दवाएं भी मरीजों को दी जा रही है। बाहर की दवाओं को लिखने पर सख्त मनाही है, अस्पतालों में जगह-जगह वॉल पेंटिंग कराया गया है, कि बाहर की दवाएं नहीं लिखी जाएंगी। अस्पताल के सीएमएस अपने ही कार्यालय से बैठकर सीसीटीवी कैमरे की मदद से अस्पताल की सभी गतिविधियों पर नजर भी रख रहे हैं। इस मौके पर डॉ अमोल पाठक, डॉ दुर्ग विजय सिंह, गनेश लाल ,अरविंद मौर्या सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

प्रभारी बीडीओं विनोद कुमार सिंह पर भारी पड़ रहे प्रभारी एडीओं पंचायत शेष राम दिवाकर

प्रभारी बीडीओं एवं सचिव / प्रभारी एडीओं पंचायत व टी ए और ग्राम प्रधान की मिलीभगत से भ्रष्टाचार का चल रहा बड़ा खेल

क्राइम कर्स

बस्ती। बस्ती जिले के विकासखण्ड दुबौलिया के अर्न्तगत बहुचर्चित ग्राम पंचायत तिघरा में मनरेगा भ्रष्टाचार का सिलसिला जारी है । प्रभारी बीडीओं दुबौलिया विनोद कुमार सिंह भी ग्राम पंचायत तिघरा में भ्रष्टाचार की नैया को पार कराने में जुटे हुए हैं ।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत तिघरा में चार साइडों पर आनलाइन मस्टर रोल जारी है वर्तमान समय में चारों साइडों पर जेसीबी मशीन से पहले खुदाई हो चुकी है जेसीबी मशीन से खुदाई का चिन्ह वर्तमान में मौजूद हैं और चार में तीन साइडों अभी भी मनरेगा मजदूर साइड पर कार्य नही कर रहे हैं । पहला कार्य कम्बल के खेत बगल तालाब सफाई / खुदाई , दूसरा रक्षा राम के खेत के बगल तालाब सफाई / खुदाई कार्य , तीसरा कार्य राम प्रसाद के घर के बगल तालाब सफाई / खुदाई कार्य , चौथा कार्य बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर अमृत सरोवर निर्माण कार्य । बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर अमृत सरोवर पर कुछ मनरेगा मजदूर जेसीबी मशीन से खुदाई के बाद कार्य कर रहे हैं । लेकिन तीन साइडों पर अभी भी मनरेगा मजदूरों का दर्शन भी नहीं हुआ है ।चारों साइडों पर 245 मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लग रही है । खण्ड विकास अधिकारी सुरेन्द्र प्रताप सिंह का दिनांक - 29-05-2023 को रिटायर हो गये । पूर्व बीडीओं अपनी रिटायमेंट की वजह से सरकारी कार्यों को पूर्ण करने में फंसे हुए थे इसी रिटायरमेंट का फायदा लेने में ग्राम प्रधान राम चन्दर यादव एवं सचिव / प्रभारी एडीओं पंचायत ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ा हैं । प्रभारी बीडीओं विनोद कुमार सिंह पर प्रभारी एडीओं पंचायत शेष राम दिवाकर भारी पड़ रहे हैं । प्रभारी बीडीओं द्वारा ग्राम पंचायत तिघरा में 245 मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी के मामले का संज्ञान लिया था और तत्काल मस्टर रोल के अनुसार चारों साइडों पर मनरेगा मजदूरों को लगाने का निर्देश दिया था लेकिन सचिव / प्रभारी एडीओं पंचायत शेष राम दिवाकर प्रभारी बीडीओं के आदेश को ठेंगा दिखा रहे हैं । वर्तमान समय में चार में मात्र एक कार्य अमृत सरोवर पर 10ब मनरेगा मजदूर कार्य कर रहे । टी ए चक्रवर्ती भी मनरेगा भ्रष्टाचार की बहती धारा में डुबकी लगाने से नही चुक रहे हैं । सचिव / प्रभारी एडीओं पंचायत शेष राम दिवाकर एडीओं पंचायत पद का रौब दिखाकर तीनों साइड़ों पर न तो मनरेगा मजदूर लगाया जा रहा है एवं न ही तीनों साइडों के फर्जी मस्टर रोल को जीरो किया जा रहा है । इस प्रकरण में प्रभारी बीडीओं विनोद कुमार सिंह से फोन के माध्यम से जानकारी करने के लिए फोन किया गया तो प्रभारी बीडीओं ने मीडिया टीम के फोन को रिसीव नहीं किया । इस सम्बंध में मुख्य विकास अधिकारी डा0 राजेश कुमार प्रजापति ने फोन के माध्यम से मीडिया टीम से कहा कि ग्राम पंचायत तिघरा का मनरेगा घोटाले का मामला गंभीर है जल्द ही जांच करवाकर सम्बंधित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी ।

नौकरी दिलवाने का झांसा देकर लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्राइम कर्स

गोण्डा -पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना धानेपुर पुलिस ने नौकरी दिलवाने का झांसा देकर लड़की के साथ गैंग दुष्कर्म करने का वांछित अभियुक्त लवकुश यादव को गिरफ्तार कर लिया। उक्त अभियुक्त ने थाना धानेपुर क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की को नौकरी दिलाने हेतु बाहर ले जाने का झांसा देकर अपने साथियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। जिसके सम्बन्ध में पीडिंता की माँ द्वारा थाना धानेपुर मे अभियोग पंजीकृत कराया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना धानेपुर में विधिक कार्यवाही की गयी अब आपने अक्सर देखा होगा इस तरह की चीजें समाज में लगातार घट रही हैं हालांकि पुलिस है पुलिस रहेगी अपराध हो रहा है अपराध होगा अगर इन सब के बीच किसी चीज की जरूरत है तो वह है सभी को जागरूक होने की ऐसे ही लोग के झांसे में ना आए क्राइम का ग्राफ कुछ इस कदर बढ़ रहा है कि कहीं तो कोई प्रेम जाल में फंसा कर दुष्कर्म करता है तो कोई नौकरी दिलाने के नाम पर की चीजें तभी बंद होगी जब हर एक परिवार का गजेंद्र अपने बच्चों पर कड़ी नजर रखेगा और बिना अपने अनुमति के कहीं जाने नहीं देगा इन सबके बीच पुलिस अपना काम कर रही है पुलिस काम करेगी अपराध होगा मुकदमा लिख दे जेल भेजेगी इन सब के बीच सभी को जागरूक होने की जरूरत है

सपा की बैठक में बूथ स्तर पर संगठन मजबूती पर जोर

क्राइम कर्स

बस्ती। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर समपन्न हुई। बैठक में जनपद के निकाय चुनाव में पार्टी के नव निर्वाचित नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्षों, प्रतिनिधियो एवं सभासदो को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने कार्यकर्ताओ एवं नेताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ता कमर कस कर तैयार रहे। इसके लिए उन्हे बूथ स्तर ही नही घर घर जाकर समाजवादी सरकार में हुए कार्यो को लोगो को बताना होगा। सभी बूथ अध्यक्ष अपनी टीम बना कर वोटर लिस्ट की समीक्षा कर उसमें कमियो को दूर करें। एक भी वोटर मतदान से वंचित न रहने पाये इसके लिए बूथ स्तर के सभी कार्यकर्ता पूरा प्रयास करे। वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की ताकत है आगामी लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी एक निर्णायक भूमिका निभायेगी। कप्तानगंज विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल ने कहा कि कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि सपा अपने कार्यकाल मे हुए विकास कार्यो के बल जनपद के विधानसभा चुनाव से बेहतर परिणाम के लिए संकल्पित है। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता एक-एक वोटर तक सपा की नीतियो को पहुचाने के लिए एकजुट हों जाये। बैठक को अकुर वर्मा, चंद्र प्रकाष चौधरी, कुवर कौषलेन्द्र प्रताप सिह, राम सिंह यादव, प्रवीण पाठक, धीरसेंन निषाद, मोहम्मद स्वाले, अरविन्द सोनकर, मोहम्मद सलीम, मौलाना इलियास, गुलाम गौस सहित अन्य लोगो ने संबोधित किया। बैठक में आर0डी0 गोस्वामी, युदुराम यादव, रण बहादुर यादव, अरविन्द यादव, राजेन्द्र चौधरी, जितेन्द्र यादव, राजेन्द्र चौधरी, संजय गौतम , राघवेन्द्र सिंह, अजीत सिंह, हनुमान गौड,भोलू अंसारी, घनष्याम यादव, विन्द्रेष चौधरी,रवीन्द्र यादव, निर्मल सिंह, गीता भारती, समीर खान, प्रदीप यादव,हनुमान चौधरी सहित सैकडो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शशांक फाउंडेशन की तरफ से अग्नि पीड़ितों को बांटी गई राहत सामग्री।

क्राइम कर्स

मिल्कीपुर अयोध्या-मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम धनैचा व तेंधा गांव में बीते शुक्रवार को अज्ञात कारणों से लगी आग से 22 परिवारों की संपूर्ण घर गृहस्थी जलकर राख हो गई थी, जिसकी जानकारी मिलने पर शशांक फाउंडेशन के युवा समाजसेवी शशांक पांडे ने सोमवार को अयोध्या सांसद लल्लू सिंह एवं पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा के नेतृत्व में ग्राम सभा धनैचा में कैंप लगाकर सभी पीड़ितों को घर गृहस्ती का सामान कड़ाही, कुकर, थाली, चमचा सहित घर गृहस्ती के सभी सामान वितरित किए सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि हम अग्नि पीड़ितों के साथ खड़े हैं आपको सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा, फाउंडेशन के संस्थापक शशांक पांडे ने कहा कि आग का यह तांडव देखकर मन बहुत दुखी है। पीड़ित परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं हैं मेरे तरफ से घर गृहस्थ की जो आवश्यक चीजें हैं आप लोगों को उपलब्ध करा दी जा रही है ,और जो भी यथासंभव मदद होगी हमारे फाउंडेशन द्वारा की जाएगी। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी, मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी, महेश ओझा ,अखिलेश पांडे, कमल उपाध्याय, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

क्वीक न्यूज

ख़ैर कॉलेज ओल्ड बॉयज़ एसोशियेशन डोनेट करेगा संस्थान में पंखे।

बस्ती। अपनी शिक्षण संस्था को संसाधनों से लैस करने की अनूठी पहल में जल्द ही ख़ैर कॉलेज को पंखे डोनेट करेंगे पूर्व छात्र। इस पहल के तहत जुटाए गये पंखों को जल्द ही कॉलेज प्रधानाचार्य और प्रबंधतंत्र की उपस्थिति में ख़ैर कॉलेज में एक कार्यक्रम आयोजित कर सौंपा जायेगा। यह पंखे इन्वर्टर से भी चलेंगे जिससे बिजली की भी बचत होगी साथ ही छात्रों और अध्यापकों को भी सहूलियत होगी। ख़ैर कॉलेज ओल्ड बॉयज़ एसोशियेशन पिछले कई वर्षों से देश विदेश में रह रहे कॉलेज के पूर्व छात्रों को सोशल मीडिया के माध्यम से जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस एसोशियेशन का उद्देश्य ख़ैर कॉलेज की प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने का एक छोटा सा प्रयास है।

बिजली बिल के बकायेदारों पर चला प्रशासन का हंटर

बस्ती। बस्ती जिले में वर्षों से विद्युत बिल के बकायेदारों की अब खैर नहीं, जी हां जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के आदेशानुसार उपजिलाधिकारी हरैया गुलाबचंद के निर्देश पर नायब तहसीलदार ऋषभ सिंह वा विद्युत विभाग के संयुक्त टीम ने विद्युत बिल की वसूली शुरू कर दी है, जिसमें परशुरामपुर ब्लाक अंतर्गत सिकंदरपुर वा देवनाथपुर में प्रशासन ने विद्युत बकायेदारों के घर वसूली का हंटर चलाया है विद्युत बिल वसूली से बकायेदारों में हड़कंप मचा हुआ है नायब तहसीलदार ऋषभ सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि सिकंदरपुर में तीन बड़े बकायेदारों के यहां वसूली की गई जिसमें दो बकायेदारों ने तत्काल भुगतान कर दिया तथा एक बकायेदार के सामान को कुर्क कर वसूली की गई साथ ही देवनाथपुर में तीन बकायेदारों ने भुगतान कर दिया है साथ ही श्री सिंह ने बताया है कि यह अभियान बृहद रूप से चलता रहेगा साथी आम जनमानस से मेरा अपील है कि जो भी विद्युत बिल के बकायेदार है वो समय रहते ही अपने बिल का भुगतान कर दें।

पैसे के कारण नहीं रुकेगी गरीब की बेटी की शादी = अंकुर राज तिवारी

बस्ती । संतकबीरनगर खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के पचपेड़वा गांव में बीते दिन रिहायशी छप्पर में दोपहर के समय आग लग जानें के कारण घर में रखा हुआ अनाज कपड़े गहने के साथ - साथ एक ऐसी युवती के परिवार के सपने आग में जलकर चकनाचूर हो गए जिसकी शादी 9 जून को होनी है। परिवार ने एक-एक पैसा खून पसीने बहाकर इकट्ठा किया था। सभी सदस्य शादी की तैयारी में जुटे हुए थे तभी अचानक दोपहर में ज्यों ही आग लगी घर में अफरा-तफरी मच गई आनन-फानन में जानवरों को बाहर निकाला गया। आग की लपटे इतनी तेज थी कि आग पर काबू पाना बहुत मुश्किल था सूचना पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों के साथ गांव वालों ने आग को किसी तरह से बुझाया लेकिन तब तक सामान के साथ - साथ पूरे परिवार का सारा अरमान भी जल के खाक हो चुका था घर के मुखिया श्याम लाल ने बताया पांच भाइयों तीन बहनों में दूसरे नंबर की बहन की शादी आगामी 9 जून को होनी है । इस हादसे की खबर मिलते ही सदर विधायक अंकुर राज तिवारी ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि 9 जून को ही होगी शादी पैसे के अभाव में नहीं रुकेगी डोली पीड़ित परिवार का सिर्फ पैसे से मदद ही नहीं किया बल्कि उप जिला अधिकारी खलीलाबाद को निर्देशित किया कि जितना भी नुकसान हुआ है उसका पूरा - पूरा मुआवजा जल्दी से जल्दी दिलाएं। सभी सुविधाओं का लाभ शत प्रतिशत मिल सके इसकी जिम्मेदारी सदर विधायक अंकुर राज तिवारी द्वारा बागेश तिवारी जी को दी गयी है । सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के पिता वरिष्ठ समाजसेवी पंडित उदय राज तिवारी ने कहा की हर घर की बहन बेटी हमारी बहन बेटी है उसके अरमान को कम नही होने दिया जायेगा। सदर विधायक अंकुर राज तिवारी व उनके पिता उदय राज तिवारी के द्वारा किए गए इस नेक व मानवीय कार्य की पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही

संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे गन्ने के खेत में अचेत मिला युवक

बस्ती पैकोलिया क्षेत्र अंतर्गत मुसहा चौकी के समीप मुसहा मॉडल प्राईमरी स्कूल पीछे रोड के किनारे गन्ने के खेत में राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंचे पैकोलिया थानाध्यक्ष योगेंद्र कुमार व मुसहा चौकी प्रभारी हरि राय कुछ समय बाद फोरेंसिक टीम भी पहुंची जांच करने प्रदीप कुमार के नाम का युवक अचेत अवस्था में पड़ा है सूचना मिलते ही पैकोलिया थानाध्यक्ष योगेंद्र कुमार अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टर को बुलाया गया डॉक्टर के द्वारा जांच करने के बाद प्रदीप कुमार को मृतक घोषित कर दिया तत्पश्चात प्रदीप कुमार के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है थानाध्यक्ष द्वारा परिवार से जन वार्ता की गई परिवार द्वारा बताया गया कि यह दिन रात बहुत शराब का सेवन करते थे और इधर उधर गिरे पड़े रहते थे और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है पैकोलिया पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कमिश्नर ने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन कार्य फरवरी 2024 तक पूरा करने के दिए निर्देश

पाईप डालने के लिए खोदी गयी सड़क की मरम्मत अवश्य करा दे, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही

क्राइम कर्स

बस्ती। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं का कार्य फरवरी 2024 तक पूरा करने के लिए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। आयुक्त सभागार में आयोजित जलजीवन मिशन की समीक्षा बैठक में उन्होने निर्देश दिया कि बाढ, दीवाली, ठण्ड एवं होली के दिनों को छोड़कर माइक्रों लेबिल कार्ययोजना तैयार करें। कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए मैनपावर तथा मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उनके संज्ञान में लायें। उन्होने कहा कि हर घर नल एवं जल पहुॅचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा इसके लिए पर्याप्त धन भी उपलब्ध कराया गया है। जलनिगम ग्रामीण तथा कार्यदायी संस्थाए मेघा, वीएसए इन्फ्रोप्रोजेक्ट तथा मेसर्स जैकशन द्वारा मण्डल के तीनों जनपदों में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करायें। विशेष रूप से पाईप डालने के लिए सड़क खुदायी का कार्य टेस्टिंग पूरी होने के बाद समय से मरम्मत अवश्य करा दें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होंगी। मण्डलायुक नें जनपदवार जलजीवन मिशन की परियोजनाओं की समीक्षा किया। बस्ती में कुल 2372 लक्षित राजस्व ग्रामों में शतप्रतिशत भूमि उपलब्ध हो गयी है। इसमें से 812 डीपीआर स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष 736 कवर एग्रीमेन्ट के सापेक्ष 436 परियोजनाओं पर कार्य प्रारम्भ है। लक्षित गृह संयोजन 208270 के सापेक्ष 106738 गृह संयोजन किया गया है। वित्तीय लक्ष्य रू0 405.55 करोड़ के सापेक्ष रू0 218.44 करोड़ की व्यय हो गया है। जनपद संतकबीरनगर में कुल 1256 लक्षित राजस्व ग्रामों में शतप्रतिशत भूमि उपलब्ध है। इसमें से 461 डीपीआर स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष 420 कवर एग्रीमेन्ट के सापेक्ष 218 परियोजनाओं पर कार्य प्रारम्भ है। लक्षित गृह संयोजन 219222 के सापेक्ष 36926 गृह संयोजन किया गया है। वित्तीय लक्ष्य रू0 382.93 करोड़ के सापेक्ष रू0 154 करोड़ का व्यय किया गया है। जनपद सिद्धार्थनगर में कुल 2081 लक्षित राजस्व ग्रामों में शतप्रतिशत भूमि उपलब्ध है। इसमे से 1511 डीपीआर स्वीकृत है, जिसके सापेक्ष 671 कवर एग्रीमेन्ट के सापेक्ष 361 परियोजनाओं पर कार्य प्रारम्भ है। लक्षित गृह संयोजन 306418 के सापेक्ष 82058 गृह संयोजन किया गया है। वित्तीय लक्ष्य रू0 340.01 करोड़ के सापेक्ष रू0 276.00 करोड़ का व्यय किया गया है। मण्डलायुक्त ने समीक्षा में पाया कि मिशन के फेज-5 में बस्ती में 201, संतकबीर नगर में 807 तथा सिद्धार्थनगर में 1083 राजस्व गाँवों में ओवरहेड टैंक के साथ-साथ सम्पूर्ण परियोजना का कार्य किया जाना है। उन्होने इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होने निर्देश दिया कि परियोजना के मेनटेनेन्स के लिए ग्रामीणों के बीच इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अंशदान भी लिया जाय। प्रचार-प्रसार के लिए अलग से एजेन्सी नामित की गयी है बैठक का संचालन जेडीसी पद्मकान्त शुक्ला ने किया। उन्होने बताया कि परियोजना के निरीक्षण के दौरान स्थल पर सूचना बोर्ड नही पाया गया है। सभी जगह सूचना बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें। बैठक में भूमि की उपलब्धता, भूमि विवाद, पेड़ काटने संबंधी समस्याओं की जानकारी दी गयी। अधीक्षण अभियन्ता सौरभ सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा उनके क्षेत्र में मिशन के अन्तर्गत कार्य कराये जाने पर प्रति वर्ष रू0 01 लाख की मांग की गयी है। मण्डलायुक्त ने इन समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया है। बैठक में अधिशासी अभियन्ता संजय जायसवाल, जिला प्रोजेक्ट मैनेजर सुशील अस्थाना, अश्वनी मिश्रा, मिस्वा खान, चन्द्रशेखर तथा कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

इमरजेंसी में कितने मरीज बचाए, मेडिकल कॉलेजों को देना होगा हिसाब, ऐसे चिकित्सा व्यवस्था सुधारेगी योगी सरकार

क्राइम कर्स

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों को आपातकालीन चिकित्सा केंद्र द्वारा बताया जाएगा कि कितने अति गंभीर मरीज आए और कितनों की जान बचा ली गई। फिर शासन की ओर से निर्धारित की गई टीम पत्रावलियों की जांच कर देखेगी कि संबंधित मरीज को बचाने के लिए डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की भूमिका क्या रही ? इसकी हर माह स्कोरिंग भी की जाएगी। मेडिकल कॉलेजों की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुधारने की नई रणनीति बनाई गई है। अब सभी कॉलेजों को अति गंभीर मरीजों की जान बचाने का हिसाब देना होगा। यदि तीमारदार अपनी मर्जी से डिस्चार्ज (लामा) कराकर मरीज ले जाता है तो उसकी भी समीक्षा होगी। इसी आधार पर आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की स्कोरिंग होगी। प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के आपातकालीन चिकित्सा केंद्र (इमरजेंसी) में हर दिन करीब पांच हजार मरीज आते हैं। जिला अस्पतालों व कॉलेजों से रेफर होने वाले करीब पांच से सात सौ मरीज लखनऊ के एसजीपीजीआई, केजीएमयू, लोहिया संस्थान के ट्रामा सेंटर पहुंचते हैं। यहां पर लोड कम करने व मेडिकल कॉलेजों की इमरजेंसी सेवा सुधारने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नई रणनीति अपनाई है। इसमें नए कॉलेजों पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि नए कॉलेजों की इमरजेंसी में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलने से लोगों का विश्वास बढ़ेगा। ऐसे में सभी मेडिकल कॉलेजों की इमरजेंसी में मौजूद सुविधाओं, डॉक्टर व अन्य स्टाफ, सामान्य व अति गंभीर मरीजों, दवा की व्यवस्था, भर्ती होने के बाद दम तोड़ने वालों की संख्या और भर्ती के बाद उपचार शुरू होने में लगे वक्त का हर दिन ब्योरा तैयार किया जाएगा। स्कोरिंग व्यवस्था से कॉलेजों की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था में सुधार होगा। इससे दूर दराज के जिलों के मरीजों को लखनऊ नहीं आना पड़ेगा। डॉक्टर व अन्य स्टॉफ की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। जहां कमी होगी उसे सुधारा जाएगा। -आलोक कुमार, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों को आपातकालीन चिकित्सा केंद्र द्वारा बताया जाएगा कि कितने अति गंभीर मरीज आए और कितनों की जान बचा ली गई। फिर शासन की ओर से निर्धारित की गई टीम पत्रावलियों की जांच कर देखेगी कि संबंधित मरीज को बचाने के लिए डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की भूमिका क्या रही ? इसकी हर माह स्कोरिंग भी की जाएगी। मर्जी से डिस्चार्ज वाले मरीजों से लेंगे फीडबैक इमरजेंसी स्कोर के आधार पर संबंधित कॉलेज के आपातकालीन चिकित्सा केंद्र की व्यवस्थाओं में सुधार किया जाएगा। जहां की टीम लगातार बेहतर कार्य करेगी, उसे सम्मानित भी किया किया जाएगा। वहीं, लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस (लामा) यानी जो तीमारदार अपनी मर्जी से मरीज डिस्चार्ज कराकर ले जाते हैं, उनसे पूरा विवरण लिखवाया जाएगा। फिर उनके मोबाइल नंबर पर कॉल करके डिस्चार्ज कराने के कारणों की जानकारी ली जाएगी। तीमारदार से मिले फीडबैक के आधार पर व्यवस्था में सुधार कराया जाएगा। अभी डिस्चार्ज फाइल पर सिर्फ लामा लिखवाया जाता है, लेकिन फीडबैक नहीं लिया जाता है। ऐसे मामलों में आए दिन चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ पर दबाव बनाने के आरोप लगते हैं।

मंगेतर ने किया था दुष्कर्म, पिता की मौत पर आया और बनाया संबंध

क्राइम कर्स

चिनहट इलाके की रहने वाली 21 साल की युवती की शादी पंजाब के गोविंद राय उर्फ मोनू से तय हुई थी। परिजनों ने मिलकर रोका की रस्म भी पूरी की। दोनों में बातचीत होने लगी। अचानक युवती के पिता की मौत हो गई। युवती का मंगेतर अपनी मां के साथ शोक जताने आया। इस दौरान उसने युवती से शारीरिक संबंध बनाए। यह सिलसिला चार रात तक चलता रहा। इसके बाद युवती को मांगलिक बताकर शादी से इनकार कर दिया। करीब एक साल के मानमनौव्वल के बाद पीड़िता ने चिनहट थाने में केस दर्ज कराया। आरोपी नौ महीने से जमानत का प्रयास कर रहा है।एक साल पहले 15 जून को चिनहट थाने में युवती ने केस दर्ज कराया था। युवती का आरोप था कि उसके मंगेतर ने मांगलिक होने की बात कहकर शादी से मना कर दिया। इससे पहले उसने उसके साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी मंगेतर को चिनहट पुलिस ने 27 सितंबर 2022 को गिरफ्तार किया। विवेचक एसआई अभिषेक पांडेय ने आरोपी गोविंद राय उर्फ मोनू को विवेचना के दौरान दुष्कर्म का आरोपी पाया। गिरफ्तारी के दो दिन बाद 29 सितंबर 2022 को मामले में आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल कर दिया। इसके बाद से ही आरोपी जमानत के लिए प्रयास कर रहा है। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग को यह आदेश दिया कि युवती की कुंडली जांच कर बताया जाए कि वह मांगलिक है या नहीं। शनिवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत-संज्ञान लिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल रोक लगा दी। इसके बाद कहा कि हाईकोर्ट गुण-दोष के आधार पर आरोपी की जमानत पर 26 जून को सुनवाई करे। सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान लेने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया। इस मामले में चिनहट प्रभारी निरीक्षक आलोक राव ने बताया कि पीड़िता से दुष्कर्म हुआ था। विवेचक ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। आरोपी को नौ महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता ने जो आरोप लगाए थे, सभी विवेचना में सही पाए गए थे। परिजनों की सहमति से पंजाब के वाटर वर्क्स के सामने पार्क एवेन्यू बुधलाड़ा मानसा पंजाब के गोविंद से फरवरी 2020 में युवती की शादी तय हुई। इसके बाद दोनों के बीच मोबाइल नंबर का आदान प्रदान हुआ। दोनों बातचीत करने लगे। रोज रात में वीडियो कॉल पर बातचीत होने लगी। युवती के मुताबिक, पिता की 19 अप्रैल 2021 को मौत हो गई। इसकी जानकारी पर गोविंद अपनी मां के साथ 20 अप्रैल को लखनऊ आया। उसी रात पीड़िता से शारीरिक संबंध का दबाव बनाया। इसका विरोध पीड़िता ने किया। शादी की दुहाई देकर गोविंद उसके साथ चार रात तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। इसके कुछ दिनों तक दोनों में बातचीत चली। फिर अचानक से गोविंद ने शादी के नाम पर टालमटोल करना शुरू कर दिया। एक दिन उसके मोबाइल नंबर को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी गोविंद ने कहा कि तुम मांगलिक हो। इसलिए शादी नहीं कर सकता। साथ ही बताया कि वह दूसरी युवती से शादी करने जा रहा है। उसके पास तुम्हारी अश्लील फोटो व वीडियो है। अगर किसी से शिकायत की तो सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा। आजिज आकर पीड़िता ने पूरी जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद केस दर्ज कराया।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री योगी को दी जन्मदिन की बधाई, ट्वीट कर जमकर की तारीफ

क्राइम कर्स

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें ट्वीट कर बधाई दी है। इस मौके पर पीएम मोदी ने उनकी जमकर तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के शानदार नेतृत्व में प्रदेश बहुमुखी विकास कर रहा है। बीते छह वर्षों में प्रदेश ने विकास के सभी प्रतिमानों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मैं उनके लंबे व स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। इसी तरह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर बधाई और आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई। वहीं, मायावती ने ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को आज उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं तथा उनके स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना। आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन है। प्रदेश के 35 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने एक कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण किया है।

पहले प्रेम जाल में फंसा कर दिलाया भरोसा उसके बाद वीडियो बनाकर करता था आरोपी ब्लैकमेल

क्राइम कर्स

पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कोतवाली नगर पुलिस ने लड़की को बहला-फुसलाकर अपने प्रेमजाल में फँसाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का वांछित अभियुक्त अमित चौबे उर्फ मोनू चौबे को गिरफ्तार कर लिया। उक्त अभियुक्त ने थाना को0 नगर क्षेत्र की रहने वाली एक लडकी को बहला-फुसलाकर अपने प्रेम जाल में फंसा लिया तथा उसका फोटो वीडियों बनाकर वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। जिसके सम्बन्ध पीडिता द्वारा थाना को0नगर मे अभियोग पंजीकृत कराया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना को0नगर में विधिक कार्यवाही की गयी।

थाना पीपरपुर पुलिस द्वारा एक किलो 50 ग्राम गांजा के साथ एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार

क्राइम कर्स

गोरीगंज अमेठी। शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को उ0नि0 प्रेम चन्द गौतम थाना पीपरपुर मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्त राजन पाण्डेय पुत्र स्व0 राम राज पाण्डेय निवासी ग्राम बालीपुर डुहिया थाना पीपरपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 35 वर्ष को उपाध्याय की बगिया हारीपुर के पास से समय करीब 03:20रू बजे गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे एक किलो 50 ग्राम गांजा बरामद हुआ । गिरफ्तार अभियुक्त एवं बरामदगी के संबंध में थाना पीपरपुर द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गुमराह करने पर कैबिनेट मंत्री स्मृति ने खोली ग्राम प्रधान की पोल, बोलीं- खाते में 10 लाख रुपये..

क्राइम कर्स

खाते में धन होने के बावजूद अतिरिक्त बजट की मांग करने वाले ग्राम प्रधान की केंद्रीय मंत्री ने सबके सामने क्लास लगा दी। वहीं मौके पर ही ग्राम प्रधान के खाते का जब सांसद ने ब्यौरा दिया तो लोग दंग रह गए। सांसद ने कहा कि पहले खाते में पड़े पैसे को विकास कार्यों में खर्च कीजिये। इसके बाद बजट की मांग कीजिए। दो हफ्ते के अंदर तीसरी बार सोमवार को सांसद स्मृति ईरानी राजापुर चकबीबी गांव पहुंची। खाते में धन होने के बावजूद अतिरिक्त बजट की मांग करने वाले ग्राम प्रधान की केंद्रीय मंत्री ने सबके सामने क्लास लगा दी। वहीं मौके पर ही ग्राम प्रधान के खाते का जब सांसद ने ब्यौरा दिया तो लोग दंग रह गए। सांसद ने कहा कि पहले खाते में पड़े पैसे को विकास कार्यों में खर्च कीजिये। इसके बाद बजट की मांग कीजिए। दो हफ्ते के अंदर तीसरी बार सोमवार को सांसद स्मृति ईरानी राजापुर चकबीबी गांव पहुंची। लालापुर ग्राम प्रधान अजय विश्वकर्मा ने सांसद से शिकायत करते हुए बताया कि ग्रामसभा की जमीन पर अराजक तत्वों ने अवैध अतिक्रमण कर लिया है। उस पर बारातघर बनना है, लेकिन दबंग लोग कब्जा नही हटा रहे। सांसद ने एसडीएम से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए है। सलोन कस्बे पहुंची सांसद स्मृति ईरानी से सभासद असफाक ने शिकायत दर्ज कराई कि सलोन नगर में नाले का निर्माण मानक विहीन कराया जा रहा है। नाला निर्माण में जमकर अनिमियतता बरती गई है। मामले की जांच एसडीएम को सांसद ने सौंपी है। पचखरा सलोन निवासी रामफेर, सविता, माधुरी,अनुज श्यामू ने दबंगो द्वारा घर आने जाने का रस्ता बंद किये जाने की शिकायत सांसद से की है। औना नीस निवासी प्रेमा देवी ने बताया कि उसकी बेटी कंचन को उसके ससुराल वालों ने घर से निकाल दिया है। महिला ने सांसद से न्याय की गुहार लगाई है। इसी तरह ममुनी गांव के लोगों ने समसपुर पक्षी विहार के सुंदरीकरण की मांग की है। ग्रामीणों ने वृद्धावस्था पेंशन,आवास,सड़क बिजली शुद्ध पेयजल दिलाये जाने की मांग की है। वह चकनेक नामपुर,मटका,सूची,बगहा, नायन, बाराडीह, में भी लोगो की जन शिकायते सांसद ने सुनी हैं।ग्राम प्रधान श्यामलाल ने सांसद से बारात घर के लिए अतिरिक्त बजट की मांग की। सांसद ने कहा कि खाते का पैसा खर्च कीजिये। इस पर प्रधान ने आनाकानी शुरू कर दी। सांसद ने मौके पर ही ग्रामप्रधान के खाते का डिटेल निकालकर सबके सामने रख दिया। खाते में लगभग दस लाख रुपये मौजूद मिले। सांसद बोली पहले इसे विकास कार्यों में खर्चकर जनता का भला कीजिये। गांव निवासी वृद्धा शीला अपनी ढाई साल की नातिन आरोही मौर्या पुत्री दिलीप मौर्या को लेकर सांसद के पास पहुँची। उन्होंने कहा कि उसकी नातिन की आंख की रोशनी खराब है। बेहतर इलाज की आवश्यकता है। सांसद ने बच्ची को दुलारा और बेहतर इलाज का आश्वासन दिया है।

क्राइम कर्स
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुद्रक, प्रकाशक कृष्णानंद पांडेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर, लखनऊ उ.प्र. से मुद्रित एवं ओमकारपुरम, नियर वारिस हॉस्पिटल, चांदन , सुग्गामऊ रोड, इंदिरा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक
(मो. इमरान आज़मी)
मो. 8858885603

टाइटिल कोड : RNI UPHIN/2015/67161

लेखों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं। समस्त विवाद प्रकाशन के तीस दिनों के भीतर लखनऊ (उ.प्र.) न्यायालय के अधीन होगा।

संपादकीय

बिगड़ते पर्यावरण को बचाने की चुनौती

वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है। जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं। मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक' में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं?

ऋस्स का वह नेता जिसने संघ को दी मजबूती, गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध थे माधवराव

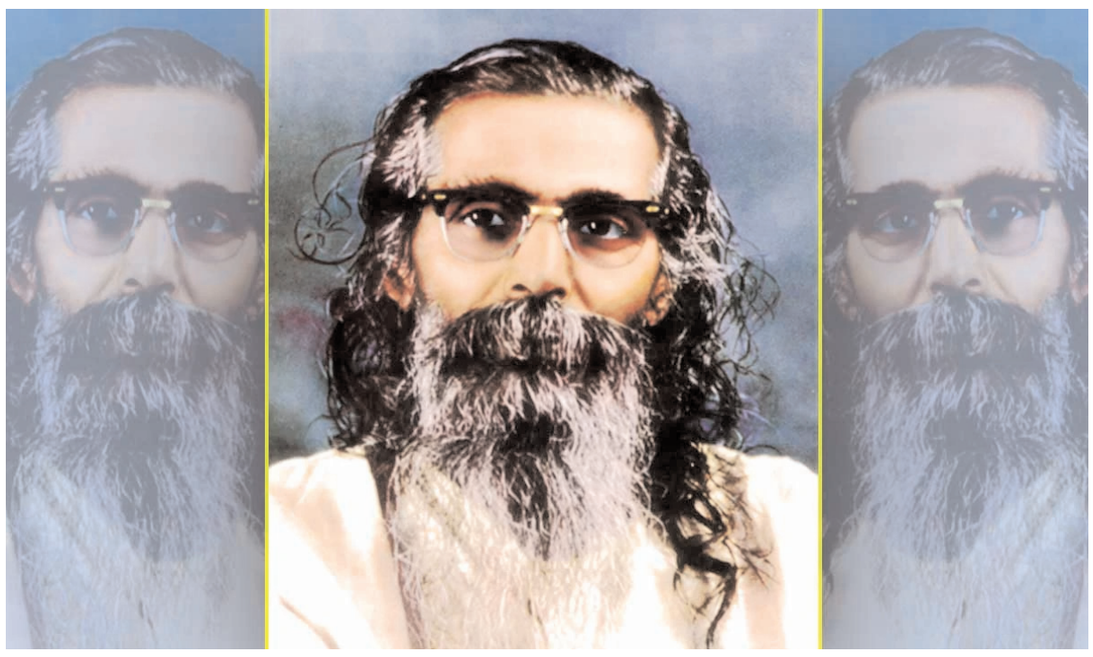

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गुरुजी यानी माधवराव सदाशिव गोलवलकर का आज के दिन यानी की 5 जून को निधन हो गया था। बता दें कि माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय में %गुरुजी% की उपाधि मिली थी। ऋस्स के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के निधन के बाद साल 1940 में वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक बने थे। हालांकि माधवराव हमेशा राजनीति से दूर रहने की सहाल देते थे। क्योंकि वह राजनीतिको बहुत अच्छा नहीं मानते थे। आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सिरी के मौके पर माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में..जन्म और शिक्षा नागपुर के पास रामटेक में एक ब्राह्मण परिवार में 19 फरवरी 1906 को माधव सदाशिव गोलवलकर का जन्म हुआ था। बता दें कि 9 बच्चों में सिर्फ वह जीवित पुत्र थे। साल 1927 में उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एमएससी की डिग्री प्राप्त की। माधवराव राष्ट्रवादी नेता और विश्वविद्यालय के संस्थापक मदन मोहन मालवीय से काफी प्रभावित थे। बाद में माधवराव ने क्क॥ में %जंतु शास्त्र% पढ़ाया और यहीं पर %गुरुजी% का उपनाम भी कमाया। इसी दौरान ऋस्स के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को क्क॥ के एक छात्र के द्वारा %गुरुजी% के बारे में पता चला। साल 1932 में हेडगेवार ने गोलवलकर से मुलाकात की और उन्हें बीएचयू में संघचालक नियुक्त कर दिया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में गैर-भागीदारी को लेकर एक ओर जहां ऋस्स लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहा था। वहीं दूसरी तरफ साल 1942 में गांधी के नेतृत्व वाले भारत छोड़ो आंदोलन में गोलवलकर ने स्वयंसेवकों हिस्सा लेने के लिए मना कर दिया था। गोलवलकर का कहना था कि अंग्रेजों के खिलाफ लड़ना ऋस्स का मिशन नहीं है। उनका कहना था कि अपनी प्रतिज्ञा में हमने धर्म और संस्कृति की रक्षा के जरिए देश की आजादी की बात की है। हालांकि बाद में संघर्ष के दौरान ऋस्स अपनी भूमिका बखूबी निभाती रही। साल 1947 में जब भारत विभाजन के दर्द से गुजर रहा था। तब महात्मा गांधी ने गोलवलकर से मुलाकात की। इस दौरान गोलवलकर से गांधीजी ने बताया कि देश में हो रहे दंगों के पीछ वह ऋस्स की मुख्य भूमिका के बारे में सुन रहे हैं। तब गोलवलकर ने महात्मा गांधी को आश्वस्त करने हुए कहा था कि मुस्लिमों की हत्या के पीछ ऋस्स का कोई हाथ नहीं हैं। ऋस्स सिर्फ हिंदुस्तान की रक्षा करना चाहता है। बताया जाता है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने रदार पटेल को लिखे पत्र में लिखा था कि महात्मा गांधी ने उनको बताया है कि गोलवलकर अपनी बातों को लेकर विश्वस्त नहीं लगे। इसके बाद 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी। नाथूराम गोडसे एक कट्टरपंथी हिंदू राष्ट्रवादी होने के साथ ही ऋस्स के सदस्य भी थे। हालांकि ऋस्स का कहना था कि महात्मा गांधी की हत्या से पहले नाथूराम ने संघ की सदस्यता को छोड़ चुके थे। लेकिन इस घटना के बाद गोलवलकर और ऋस्स के तमाम सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं उस दौरन गृह मंत्री रहे पटेल ने इस संघ पर प्रतिबंध भी लगा दिया था। जिसके बाद साल 1948 में गोलवलकर ने दिल्ली में सत्याग्रह शुरू किया और ऋस्स पर लगाए गए प्रतिबंध को चुनौती देने का फैसला किया। वहीं साल 1949 में ऋस्स द्वारा भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा लेने के बाद उस पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया गया था। 1972-73 में गोलवलकर ने देश भर में एक आखिरी दौरा किया था। इस दौरान उनका स्वास्थ्य भी काफी बिगड़ने लगा था। बता दें कि उन्होंने आखिरी दौरा बांग्लादेश लिबरेशन वार में पाकिस्तान पर भारत की जीत के ठीक बाद किया था। इस जीत के बाद देश की तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी को गोलवलकर ने बधाई थी। मार्च 1973 में वह नागपुर लौट आए। जिसके बाद 5 जून 1973 को उनकी मौत हो गई। लेकिन इस दौरान तक गोलवलकर ने राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के साथ ऋस्स को सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन के रूप मजबूती प्रदान की थी। बता दें कि वर्तमान में देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ऋस्स की प्रशाखा है।

बालासोर रेल हादसे से उपजते सवाल समय रहते ही मांग रहे दो टूक जवाब ताकि थमे ऐसी रेल दुर्घटनाएं

सम्भवतया सदी के सबसे बड़ा रेल हादसा समझा जाने वाला बालासोर (उड़ीसा) भीषण ट्रेन हादसा ने देश-दुनिया वासियों को हिलाकर रख दिया है। गत शुक्रवार को हुए इस हादसे में जहां 288 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 1175 यात्रियों के घायल होने की खबर है। आने वाले दिनों में मृतकों के आंकड़े बढ़ भी सकते हैं। इस रेल दुर्घटना के बाद 90 ट्रेनों के रद्द होने और 46 ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन से इस रेलमार्ग के महत्व का पता चलता है। इसलिए ऐसे सभी रेल मार्गों को और अधिक सुरक्षित व सुविधापूर्ण बनाये जाने की जरूरत है। वाकई इस हृदय विदारक घटना से कई सवाल उपज रहे हैं, जिसके जवाब यदि समय से मिल जाए तो भविष्य में ऐसे लोमहर्षक हादसे थम सकते हैं। पहला सवाल है कि सरकारीकरण और निजीकरण की दुविधा में पड़े भारतीय रेलवे ने समय रहते ही इस महत्वपूर्ण रेलखंड पर %कवच प्रणाली% का उपयोग क्यों नहीं किया, जो कि ऐसे रेल हादसों को रोकने में सक्षम बताये जाते हैं। जानकारों का कहना है कि इस मार्ग पर कवच प्रणाली उपलब्ध नहीं थी। क्योंकि जब लोको पायलट सिग्नल तोड़कर बढ़ता है तो %कवच% सक्रिय हो जाता है। जब एक मार्ग पर निर्धारित दूरी के अंदर अन्य ट्रेन होने का संकेत मिलता है तब यह प्रणाली सतर्क करती है और ट्रेन को स्वत: रोक देती है। दूसरा सवाल है कि सरकारीकरण बनाम निजीकरण की चक्की में पिस रहे आम आदमी को गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थागत सेवाएं आखिर कब तलक मिलेंगी, क्योंकि मीडिया रपटों से पता चलता है कि सिस्टम के निजीकरण के चलते सिर्फ रेलवे ही नहीं बल्कि अधिकांश क्षेत्रों में जहां उपभोक्ताओं को पहले से ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है, वहीं सेवागत गुणवत्ता में या तो कमी आई है या फिर नदारत बताई जाती है। आखिर ऐसा क्यों है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की नकेल कसने में हमारा राजनीतिक नेतृत्व विफल क्यों प्रतीत हो रहा है?तीसरा सवाल है कि क्या इस हादसे के तुरंत बाद दिखाई दिए सरकारी राहत एवं बचाव के उपायों को और अधिक बेहतर व प्रासंगिक बनाने के लिए पहले से ही नीतियां क्यों नहीं बनाई जाती हैं, क्योंकि जब भी ऐसे हादसे कहीं होते हैं तो आसपास उपलब्ध आपात नागरिक सुविधाएं कमतर प्रतीत होने लगती हैं। क्या अब भी सरकार चेतेगी और प्रत्येक 100-150 किलोमीटर के दायरे में माकूल इंतजाम करने की रणनीति बनाएगी, ताकि आम दिनों में ऐसी सुविधाएं आमलोगों के काम आएं और आपातकालीन परिस्थितियों में किसी भी घटना से पीड़ित व्यक्तियों के काम आए। क्योंकि रेल व सड़क हादसे और बर्बर संघर्ष इस देश की नियति बन चुकी है। चतुर्थ सवाल है कि विपक्ष द्वारा परम्परागत रूप में रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग तो की जा रही है, लेकिन इन्हें शर्म नहीं आती कि देश पर लगभग 5 दशक तक शासन करने वाली कांग्रेस और उसके पिछलग्गुओं ने भारतीय रेल, सड़क व वायु परिवहन को दिया क्या है? किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सुदूर इलाकों में कितनी स्वास्थ्य सुविधाएं व अन्य जनसुविधाएं विकसित की थीं। इन्होंने किसी बड़ी घटना के बाद मंत्रियों से इस्तीफे तो ले लिए, लेकिन उसके बाद भी जनहित में ठोस उपाय क्यों नहीं किये। अन्यथा आज देश और अधिक विकसित व सुव्यवस्थित होता। सच कहूं तो जिस विपक्षी अराजकता को उन्होंने बढ़ावा दिया, उसका दुष्परिणाम आजतक देश व देशवासी दोनों भुगत रहे हैं। पंचम सवाल है कि इस हादसे के पीछे दुर्घटना की वजह पर रेलवे की दो रिपोर्ट सामने आई है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोमंडल एक्सप्रेस के लिए ग्रीन सिग्नल था, फिर भी यात्री ट्रेन लूप लाइन में घुसकर बहनागा बाजार स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे इसके डिब्बे दूसरी पटरी पर गिर गए। जिससे यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यानी कि रेल सिग्नल में गड़बड़ी का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं, दूसरी रिपोर्ट में बताया गया है कि यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस के डीरेल होने यानी पटरी से उतरने के कारण कोरोमण्डल और मालगाड़ी हादसे की शिकार हुई। इसलिए सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि वह दुविधा भरी बातों को तरजीह देने की प्रशासनिक अभ्यस्तता पर नजर रखे और सटीक निर्णयों तक पहुंचने की मंशा रखे, ताकि ऐसी हृदयविदारक घटनाएं रुकें। षष्टम सवाल है कि क्या मौजूदा सरकार विभिन्न औपचारिकताओं से ऊपर उठकर कुछ ऐसे ठोस उपाय करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सके। क्या वह अपनी व्यवस्था को इतनी ठोस और वैज्ञानिक बनायेगी, ताकि ऐसी अप्रत्याशित दुर्घटनाएं कभी हों ही नहीं। बहरहाल, इस हादसे की जो उच्चस्तरीय जांच शुरू हो चुकी है, वह जल्द मुकाम पर पहुंचे। भारतीय रेलवे के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा के मुताबिक, जांच समिति की अध्यक्षता दक्षिण-पूर्वी प्रखंड के रेलवे सुरक्षा आयुक्त ए एम चौधरी कर रहे हैं। इसलिए उम्मीद की जाती है कि वह जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी कर देंगे। क्योंकि शुक्रवार की शाम कोरोमण्डल एक्सप्रेस और बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के पटरी से उतरने और मालगाड़ी से टकराने से हुआ यह हादसा इतना भीषण था कि ट्रेन की बोगियां एक के ऊपर एक चढ़ गईं और कुछ बोगियां जमीन के भीतर धंस गई थीं, जिसके दृष्टिगत कोच को काटकर शव निकालने पड़े। सप्तम सवाल है कि पूर्वी और दक्षिण भारत को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग पर ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने में कारगर कवच प्रणाली卐 का न होना क्या रेल अधिकारियों की मानसिकता पर सवाल पैदा नहीं, क्योंकि यदि यह कवच प्रणाली लगाई गई होती तो बालासोर रेल हादसा टल सकता था। आमतौर पर देखा जाता है कि दिल्ली में बैठे लोग उत्तर भारत और पश्चिम भारत पर ज्यादा ध्यान देते हैं, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत की अपेक्षा। इसलिए सुरक्षा उपायों में ऐसी घृणित मानसिकता से ऊपर उठने की जरूरत है। अष्टम सवाल है कि बालासोर ट्रेन हादसे के तत्काल बाद स्थानीय लोगों, जिला प्रशासन, राज्य प्रशासन और केंद्रीय प्रशासन के साथ साथ रेल प्रशासन ने जो संवेदनशीलता और सक्रियता दिखाई और पीड़ितों को हर सम्भव मदद पहुंचाने की कोशिश की, वह सराहनीय है। फिर भी एक भारत, श्रेष्ठ भारत की रणनीति के तहत राज्यों के साथ मिलकर आपातकालीन जनसुविधाओं को विकसित करना केंद्र का फर्ज है। पूर्वी भारत और उससे लगे इलाके नक्सलियों और जातिवादी अपराधियों के नजरिये से भी काफी संवेदनशील समझे जाते हैं, इसलिए यहां उन जनसुविधाओं की ज्यादा जरूरत है। यह ठीक है कि इस हादसे में घायलों की मदद के लिए 200 एम्बुलेंस को लगाए जाने, जल-थल-नभ सेना की मदद से राहत व बचाव कार्य चलाकर हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस द्वारा घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के 300 कर्मियों की मदद से राहत व बचाव कार्य किये जाने से राष्ट्र के सामर्थ्य का पता चलता है। यह प्रसंशनीय है। इसे और विकसित किये जाने की जरूरत है। नवम सवाल है कि इस दुखद रेल दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा का दौरा किया और दुर्घटना के बाद चले राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा के उपरांत राष्ट्र को आश्वस्त किया कि दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा। इसी के साथ प्रधानमंत्री को अबतक हुई तमाम रेल दुर्घटनाओं की समीक्षा करवानी चाहिए और दोषियों को कितना दंड मिला, इसका आंकड़ा जारी करना चाहिए। अन्यथा ऐसी दुर्घटनाओं को थामा नहीं जा सकता है। दशम सवाल है कि एक ओर जहां प्रधानमंत्री ने दुर्घटना स्थल और उन अस्पतालों का दौरा किया जहां घायलों का उपचार चल रहा है। वहीं दूसरी ओर उनकी भाजपा ने इस घटना के बाद शनिवार को अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए और पार्टी की उड़ीसा इकाई को घायलों की मदद के लिए दौड़ा दिया, जो बहुत बड़ी बात है। यदि ऐसे ही फैसले कांग्रेस समेत अन्य दलों ने भी किये होते, तो देशवासियों में ज्यादा आश्वस्ति भाव दिखता कि विपत्ति के समय सभी उनके साथ खड़े हैं। ग्यारह सवाल है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह व अन्य मंत्रियों के साथ समीक्षात्मक बैठक करके अन्य कार्रवाई में जो तेजी लाई, वह उचित है। उन्होंने रेलगाड़ियों में यात्रा कर रहे विभिन्न राज्यों के लोग, जो इस भीषण त्रासदी से प्रभावित हुए हैं, को राहत पहुंचाने की बात कही। साथ ही इस दुर्घटना में मृतकों के प्रति शोक ?व्यक्त करते हुए कहा कि घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान की जाएगी। उनकी सरकार अपनों को खोने वाले शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है। बारह सवाल है कि प्रधानमंत्री ने दुर्घटना की त्वरित जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने तुरंत राहत और बचाव कार्य में मदद के लिए ओडिशा सरकार, स्थानीय प्रशासन और स्थानीय लोगों, विशेष रूप से युवाओं के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने रात भर बचाव कार्य में सहयोग किया। उन्होंने घायलों की सहायता के लिए बड़ी संख्या में रक्त दान के लिए पहुंचे स्थानीय नागरिकों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्यों के साथ-साथ रेल विभाग, रेल मार्ग पर शीघ्र यातायात बहाल करने के लिए कार्य कर रहा है। स्थानीय अधिकारियों, आपदा राहत बल के कर्मियों और रेलवे अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए, प्रधानमंत्री ने भीषण त्रासदी से निपटने के लिए सरकार की पुरजोर सहायता का आश्वासन दिया। अंतिम सवाल है कि ओडिशा के बालासोर की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक भयंकर हादसा हुआ है। इससे असहनीय वेदना में अनुभव कर रहा हूं और अनेक राज्यों के नागरिकों ने इस यात्रा में कुछ न कुछ गंवाया है। जिन लोगों ने अपना जीवन खोया है, उन्हें नमन है। ये बहुत बड़ा दर्दनाक और वेदना से भी परे मन को विचलित करने वाला घटना है। यह उनकी जनसम्वेदनशीलता का परिचायक है। इससे शोक संतप्त परिजनों को राहत मिली है। उन्होंने आगे कहा, जिन परिवारजनों को injury हुई है उनके लिए भी सरकार उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। जो परिजन हमने खोए हैं वो तो वापिस नहीं ला पाएंगे, लेकिन सरकार उनके दुख में, परिजनों के दुख में उनके साथ है। सरकार के लिए ये घटना अत्यंत गंभीर है, हर प्रकार की जांच के निर्देश दिए गए हैं और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसको सख्त से सख्त सजा हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं उड़ीसा सरकार का भी, यहां के प्रशासन के सभी अधिकारियों का जिन्होंने जिस तरह से इस परिस्थिति में अपने पास जो भी संसाधन थे, उसके मार्फत लोगों की मदद करने का प्रयास किया। यहां के नागरिकों का भी हृदय से अभिनंदन करता हूं क्योंकि उन्होंने इस संकट की घड़ी में चाहे ब्लड डोनेशन का काम हो, चाहे rescue operation में मदद की बात हो, जो भी उनसे बन पड़ता था, करने का प्रयास किया है। खास करके इस क्षेत्र के युवकों ने रातभर मेहनत की है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस क्षेत्र के नागरिकों का भी आदरपूर्वक नमन करता हूं कि उनके सहयोग के कारण ऑपरेशन को तेज गति से आगे बढ़ा पाए। रेलवे ने अपनी पूरी शक्ति, पूरी व्यवस्थाएं rescue operation में आगे रिलीव के लिए और जल्द से जल्द track restore हो, यातायात का काम तेज गति से फिर से आए, इन तीनों दृष्टि से सुविचारित रूप से प्रयास आगे बढ़ाया है। लेकिन इस दुख की घड़ी में मैं आज स्थान पर जा करके सारी चीजों को देख करके आया हूं। अस्पताल में भी जो घायल नागरिक थे, उनसे मैंने बात की है। मेरे पास शब्द नहीं हैं इस वेदना को प्रकट करने के लिए। लेकिन परमात्मा हम सबको शक्ति दे कि हम जल्द से जल्द इस दुख की घड़ी से निकलें। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इन घटनाओं से भी बहुत कुछ सीखेंगे और अपनी व्यवस्थाओं को भी और जितना नागरिकों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाएंगे। दुख की घड़ी है, हम सब प्रार्थना करें इन परिजनों के लिए।

महारानी की तरह तैयार होकर Kangana Ranaut ने दी रॉयल वाइब्स, फैंस बोले- आप हमारे दिल की रानी हो

अमिताभ बच्चन की पोती नव्या नवेली नंदा भले ही शोबिज का हिस्सा न हों लेकिन वह अपने बॉलीवुड कनेक्शन के लिए सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इससे पहले यह अफवाह थी कि नव्या गली बॉय फेम सिद्धांत चतुर्वेदी को डेट कर रही हैं, लेकिन दोनों ने कभी भी अफवाहों को स्वीकार नहीं किया। इसके अलावा कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया 2 के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म सत्य प्रेम की कथा के साथ एक बार ये जोड़ी लोगों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म पर्दे पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सोमवार को आगामी प्रेम कहानी का ट्रेलर जारी किया। आइये जानते हैं बॉलीवुड की बड़ी खबरों के बारे में-

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की शानदार केमिस्ट्री

कार्तिक-कियारा की %सत्यप्रेम की कथा% का ट्रेलर रिलीज

ट्रेलर में दिखा एक्शन और रोमांस का तड़का

कार्तिक-कियारा की कहानी ने लोगों को किया इमोशनल

सत्यप्रेम की कथा% 29 जून, 2023 को रिलीज होने वाली है

दोनों की जोड़ी %आशिकी 3% और %कैप्टन इंडिया% में आएगी नजर

सिद्धांत चतुर्वेदी बिग बी की नातिन नव्या नवेली एक साथ हुए स्पॉट

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली के रिलेशनशिप की फैली है अफवाहें

सिद्धांत चतुर्वेदी को कई बार नव्या के साथ स्पॉट किया गया

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली ने अपने रिश्ते पर साथ रखी हैं चुप्पी

महाभारत के %शकुनि मामा% गूफी पेंटल का निधन,

गूफी पेंटल ने 78 साल की उम्र में कहा दुनिया को अलविदा

बीआर चोपड़ा की महाभारत में निभाया था शकुनि मामा का किरदार

गूफी पेंटल को 31 मई को अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था

गूफी पेंटल का अंतिम संस्कार मुंबई में हुआ

गूफी ने 1975 में फिल्म %रफू चक्कर% से बॉलीवुड में कदम रखा था

सुष्मिता सेन ने पूरी की अपनी बेस सीरीज आर्या 3 की शूटिंग

एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर की सेट के आखिरी दिन की झलक

दिल का दौरा पड़ने के करीब दो महीने बाद सुष्मिता अप्रैल में सेट पर लौटी थी

सुष्मिता सेन की आर्या 3 का पहला और दूसरा सीजन काफी हिट हुआ था

कंगना रनौत ने महारानी लुक से सोशल मीडिया पर मचाया गदर

कंगना रनौत का महारानी लुक जमकर हो रहा है वायरल

एक्ट्रेस ने हाल ही में एक रॉयल लुक में तस्वीर शेयर की है

नए फोटोशूट में कंगना रनौत ने सिर पर मुकुट और लहंगा चोली पहनी हुई है

कंगना बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाना जाती है

Gadkari ने असम में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी

क्राइम कर्स

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को असम में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही गडकरी ने असम में दो राष्ट्रीय राजमार्गों का उद्घाटन भी किया। इन चारों राजमार्ग परियोजनाओं की कुल लागत करीब 1,450 करोड़ रुपये है। गडकरी ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर 535 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन वाले मंगलदेई बाइपास बनाने और राष्ट्रीय राजमार्ग 29 पर 517 करोड़ रुपये की लागत से 13 किलोमीटर लंबे दबोका-परखुवा खंड के निर्माण की आधारशिला रखी।उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग 127 के 10 किलोमीटर लंबे एवं 247 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नगांव बाइपास- तेलियागांव खंड और इसी राजमार्ग के आठ किलोमीटर लंबे एवं 156 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तेलियागांव-रंगगरा खंड को राष्ट्र को समर्पित भी किया। इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि असम वृद्धि और विकास की दिशा में बढ़ रहा है और राज्य सरकार ने भी इन परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण एवं पर्यावरण मंजूरियां देने में तेजी दिखाई है। उन्होंने कहा कि यह असम समेत समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़कों एवं अन्य ढांचागत सुविधाओं के विकास के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के अनुरूप है।

आलमबाग में स्तिथ बालाजी का ढाबा पर मेहरबान नगर निगम के अधिकारी

क्राइम कर्स

विवेक साहू

लखनऊ-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश में अवैध कब्जा या अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है। सोमवार को आलमबाग जोन-5 में नगर निगम द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बुलडोजर चलाया गया। नगर निगम की टीम ने सिर्फ छोटी दुकानों व गरीब तबकों पर ही बुलडोजर चलाई जबकि बालाजी का ढाबा, श्री बालाजी ढाबा इन पर बुलडोजर नही चला जोन-5 के अधिकारी की मिली भगत से कई वर्षो से इन ढाबों ने अवैध कब्जा चल रहा है। नगर निगम के अधिकारी इन ढाबों पर अपनी महिमा बरसाए हुए है।

वध हेतु लादे जा रहे कुल 27 राशि गोवंश व 01 डीसीएम ट्रक के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्राइम कर्स

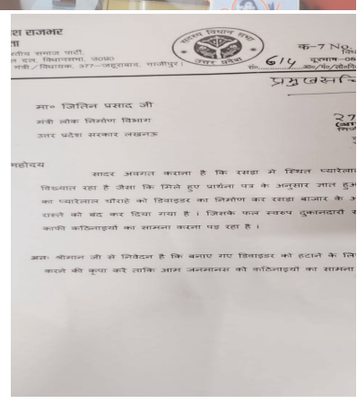

प्रतापगढ़ -पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 05.06.2023 को जरिए कण्ट्रोल रूम से आरटी सेट के माध्यम से प्राप्त सूचना पर थाना लालगंज के उ0नि0 श्री योगेन्द्र सिंह मय हमराह द्वारा चेकिंग के दौरान थानाक्षेत्र के ग्राम वीरसिंहपुर में एक व्यक्ति के आम के बाग से गोवंश को ट्रक में चढ़ा रहा 01 व्यक्ति कल्लू यादव पुत्र ननकू यादव निवासी ग्राम गोविन्दपुर थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को एक डीसीएम ट्रक रजिस्ट्रेश नं0- क्क44 ञ्ज 9253 जिसमें वध हेतु लादे गये 12 राशि गोवंश पशु व ट्रक के आसपास रस्सियों से बंधे हुए 15 राशि गोवंश पशु(कुल 27 राशि गोवंश पशुओं) के साथ गिरफ्तार किया गया जबकि भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर 02 व्यक्ति (01 डीसीएम चालक व 01 व्यक्ति नाम पता अज्ञात) मौके से भाग निकले । इस सम्बन्ध में थाना लालगंज पर मु0अ0सं0 177/2023 धारा 3/5क/8 गोवध निवारण अधि0 व 11(1) पशु क्रूरता अधिनियम बनाम कल्लू उपरोक्त व डीसीएम P 44 T 9253 का चालक व 01 व्यक्ति नाम पता अज्ञात का अभियोग पंजीकृत किया गया । गोवंशों के सुरक्षा के दृष्टिगत बंधे हुए गोवंशों की रस्सियों को खुलवाया गया जिससे काफी देर तक बंधें होने के कारण सभी गोवंश इधर-उधर होकर बाग में चले गये ।

पूछताछ का विवरण

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि हम लोग गोवंश को इकट्ठा करके गाड़ी बुलाकर उसमें लदवाकर बेचने के लिए भेज देते हैं जिसके हमें पैसे मिल जाते हैं और उसी से जीवनयापन करते हैं । जो 02 व्यक्ति भाग निकले हैं उसमें से एक ट्रक चालक है जिसे मोबाइल से सम्पर्क कर बुलवा लेता हूँ तथा दूसरा व्यक्ति उसके साथ आया हुआ था, जिसका नाम पता मैं नहीं जानता हूँ । पुलिस टीम- उ0नि0 श्री योगेन्द्र सिंह मय हमराह थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ ।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 डी0 के0 श्रीवास्तव ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

क्राइम कर्स

बस्ती । कृषि विज्ञान केन्द्र पर विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 डी0 के0 श्रीवास्तव ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में, विश्व पर्यावरण दिवस हर साल पांच जून को पर्यावरण पर खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने के लिए वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस 2022 की थीम बीट द प्लास्टिक है। इसका मतलब प्लास्टिक के उपयोग को कम करना है है। वैज्ञानिक डा0 वी0बी0 सिंह ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि आज पृथ्वी संकट के दौर से गुजर रही है। पर्यावरण के हालात बेहतर नहीं कहे जा सकते। हवा जिसने हर पल जीवन को साधा हुआ है। उसी हवा को आज मनुष्य ने इस हालात में पहुंचा दिया है कि प्रत्येक देश किसी न किसी रूप में प्रदूषण की चपेट में है। यदि हमें जीवित रहने के लिए शुद्ध वायु चाहिए तो मोटर-गाड़ियों का प्रयोग कम करना होगा। अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने होंगे और हमें वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में स्वावलंबन बढ़ाना होगा। ऊर्जा के लिए जंगल काटने के बजाय फिर से बसाने होंगे। वैज्ञानिक हरिओम मिश्र ने बताया कि जल, जंगल और जमीन, इन तीन तत्वों के बिना प्रकृति अधूरी है। विश्व में सबसे समृद्ध देश वही हुए हैं, जहां यह तीनों तत्व प्रचुर मात्रा में हों। हमारा देश जंगल, वन्य जीवों के लिए प्रसिद्ध है। घर के आसपास पौधारोपण करें। इससे गर्मी, भूक्षरण, धूल इत्यादि से बचाव कर सकते हैं। पक्षियों को बसेरा भी दे सकते हैं। प्रगतिशील कृषक अखिलेश पाण्डेय ने प्राकृतिक खेती की तकनीक के बारे में जानकारी साझा की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर केंद्र पर फलदार पौधे लगाए गये। सभी प्रगतिशील किसानों के बीच अमरूद का पौधा वितरित किया गया। मौके पर अहमद अली, योगेन्द्र सिंह, श्रीमती सीमा, राजेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह सहित 150 प्रगतिशील किसान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

असीलपुर गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दो युवकों को मारी जोरदार टक्कर ,दोनो युवकों की हालत गंभीर

क्राइम कर्स

अबूजर आजमी

आजमगढ़-आजमगढ़ जनपद के निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा चौकी अंतर्गत असिलपुर गाँव के पास तेज रफ्तार पिकप ने बाइक सवार दो युवकों को मारी जोरदार टक्कर मरने से दोनों कि गंभीर है आपको बता दे की प्राप्त जानकारी के मुताबिक दोनों युवकों की हालत चिंताजनक बनी हुई है और घायलो में सलमान पुत्र इसरार रहमान पुत्र जावेद निवासी सिरसाल थाना रानी कि सराय जिसमें जाबेद का पैर टूट गया है और सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सुल्तान सिंह अपने हमराहियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजवाया और पिकप की गाड़ी को कब्जे में लेकर चौकी पर भेजवाया और पिकप का चालक गाड़ी छोड़ कर भाग गया है।

प्यारेलाल चौराहा डिवाइडर कट बंद को लेकर व्यापारियों ने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंम पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर को सौंपा पत्रक।

क्राइम कर्स

राघवेन्द्र कुमार गौतम

बलिया जनपद के रसड़ा नगर के व्यापारियों ने सोमवार को सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर को पुन: पत्रक सौंप कर नगर के प्यारेलाल चौराहे पर बने डिवाइडर को खोलवाकर प्यारे लाल चौराहे को पूर्व की भांति बनाने की मांग की। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता एवम वार्ड न 8 सभासद प्रतिनिधि यशवंत सिंह यश के नेतृत्व में व्यापारियों ने पत्रक सौप कर कहा कि विभागीय अधिकारियों के गलत एवम अविवेकपूर्ण निर्णय के कारण प्यारेलाल चौराहे पर डिवाइडर का निर्माण कर बाजार के अंदर आने वाले मुख्य मार्ग को बंद कर दिया गया। मार्ग बंद कर दिए जाने से व्यापारियों के कारोबार चौपट हो गया है। व्यापार चौपट होने से व्यापारी समाज भुखमरी के कागार पर है। आमजन मानस को भी भारी कठिनाइयों का सामना उठाना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों द्वारा ट्रैफिक जाम का हवाला

...श राजभर
...ता
...रतीय समाज पार्टी,
...दल, विधानसभा, उ0प्र0
...मंत्री / विधायक, 377—जहूराबाद, गाजीपुर।
सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश
क-7 No.
सं0 614
प्रमुख सचि...

मा० जितिन प्रसाद जी
मंत्री लोक निर्माण विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ

महोदय

सादर अवगत कराना है कि रसडा मे स्थित प्यारेला...
विख्यात रहा है जैसा कि मिले हुए प्रार्थना पत्र के अनुसार ज्ञात हु...
का प्यारेलाल चौराहे को डिवाइडर का निर्माण कर रसडा बाजार के ...
रास्ते को बंद कर दिया गया है। जिसके फल स्वरूप दुकानदारों ...
काफी कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है।

अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि बनाए गए डिवाइडर को हटाने के लि...
करने की कृपा करें ताकि आम जनमानस को कठिनाइयों का सामना ...

देकर बंद किया जा रहा है जबकि चुनाव के समय खोल दिया जाता है चुनाव खत्म होते ही बंद कर दिया जाता है। इस मौके पर सभासद विवेक कुमार वर्मा, सुनील, त्रिभुवन सोनी, रामजी, संतोष आदि व्यापारी मौजूद रहे।

कटक और भुवनेश्वर का दौरा करेंगी ममता बनर्जी, कहा- ये सच्चाई को दबाने का समय नहीं

क्राइम कर्स

ओडिशा ट्रेन हादसे में जान गंवाने वालों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने श्रद्धांजलि दी पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रेलवे बोर्ड द्वारा बालासोर ट्रेन हादसे की सीबीआई जांच की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, %हम चाहते हैं कि लोग सच्चाई जानें। यह सच्चाई को दबाने का समय नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैं फिर से कटक और भुवनेश्वर का दौरा करूंगी। बुधवार को हम ओडिशा ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि और नौकरी पत्र के चेक सौंपेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे में घायल हुए राज्य के यात्रियों के इलाज तथा पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दार्जिलिंग का अपना चार दिवसीय दौरा रद्द कर किया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। तृणमूल कांग्रेस पार्टी की प्रमुख को दार्जिलिंग के दौरे पर जाना था जहां वह इस साल होने वाले पंचायत चुनाव से पहले इस पहाड़ी क्षेत्र में सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों से मिलने वाली थीं। गौरतलब है कि ओडिशा में ट्रेन हादसे में 275 लोगों की मौत हुई है। पहले यह आंकड़ा 288 बताया गया था। करीब 1175 लोग घायल हुए हैं। बनर्जी ने हादसे के बाद रेल मंत्रालय द्वारा दिए गए मौत के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनके राज्य के 61 लोग मारे गए है और 182 अब भी लापता हैं।

अमेरिका ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीनी पोत के सामने आने का वीडियो जारी किया

क्राइम कर्स

बैंकॉक। अमेरिकी सेना ने गत सप्ताहांत ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के एक जहाज के 'असुरक्षित' तरीके से एक अन्य पोत के सामने आने की घटना का वीडियो सोमवार को जारी किया। हालांकि हादसा टल गया। गौरतलब है कि चीनी नौसेना का एक जहाज अचानक ताइवान जलडमरूमध्य में अमेरिका के एक विध्वंसक पोत के सामने आ गया था, जिसके कारण अमेरिकी जहाज को टक्कर से बचने के लिए अपनी गति धीमी करनी पड़ी थी। यह घटना शनिवार को उस वक्त हुई जब अमेरिकी विध्वंसक पोत यूएसएस चुंग-हून और कनाडाई फ्रिगेट (जंगी जहाज) एचएमसीएस मांट्रियल, ताइवान और चीन के मुख्य भू-भाग के बीच जलडमरूमध्य में तथाकथित 'फ्रीडम ऑफ नेवीगेशन' (एफओएन) का इस्तेमाल कर रहे थे। चीन लोकतांत्रिक रूप से स्व-शासित द्वीप ताइवान पर अपना दावा जताता है और जलडमरूमध्य को अपना विशेष आर्थिक क्षेत्र बताता है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के जहाज नियमित रूप से इस क्षेत्र से गुजरते हैं तथा उनके विमान उड़ान भरते हैं। उनकी दलील है कि यह अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र है। सोमवार को जारी वीडियो में चीनी जहाज अमेरिकी जहाज के रास्ते में आता और फिर मुड़कर उसकी समानांतर दिशा में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। हिंद-प्रशांत कमांड ने कहा कि ये गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से गुजरने के समुद्री नियमों का उल्लंघन करती हैं।वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि ऐसा 'कानून के अनुसार' किया गया। उन्होंने कहा, ''अमेरिका को गहनता से आत्मचिंतन करना चाहिए और गलत कार्यों को सुधारना चाहिए।'' अमेरिका ने हाल में चीन पर हवाई क्षेत्र में 'अनावश्यक रूप से आक्रामक' बर्ताव करने का आरोप लगाया था। ताइवान जलडमरूमध्य में यह घटना तब हुई जब अमेरिकी विदेश मंत्री लॉयड ऑस्टिन और चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफु एक वार्षिक रक्षा सम्मेलन के लिए सिंगापुर में थे। चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफु ने रविवार को कहा था कि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने ताइवान जलडमरूमध्यम में खतरा पैदा किया है, जबकि इसके बजाय उन्हें 'अपने वायुक्षेत्र और जलक्षेत्र की अच्छी तरह से देखभाल' करनी चाहिए। उन्होंने एक दुभाषिये के माध्यम से कहा, ''वहां आने का क्या मतलब है? चीन में हम हमेशा कहते हैं, अपने काम से मतलब रखो।'' ऑस्टिन ने ली को सम्मेलन से इतर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन ली ने इससे इनकार कर दिया था।

धूमधाम से मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

पर्यावरण को बचाने के लिए जीवन शैली में लाएं बदलाव-डीएम

क्राइम कर्स

बलिया। दिनांक 05 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग, सामाजिक वानिकी प्रभाग, बलिया द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने वन विहार, जीरावस्ती परिसर में मौलश्री पौधे का रोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा वन विहार परिसर, तालाब, राकरी (ॠ्नश्च्ह्रद्गह्र4), लान व वन विहार नर्सरी का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा पर्यावरण के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधों को रोपण करने, मिशन लाईफ के अन्तर्गत पर्यावरण को बचाने के लिए अपने दैनिक जीवन में हर सम्भव बदलाव करने हेतु जनमानस से अपील किया गया।प्रवीण वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विहार, जीराबस्ती पार्क में मौलश्री वृक्ष लगाया गया तथा प्रकृति के महत्व के सम्बन्ध में उपस्थित वनकर्मियों एवं अन्य जनमानस को विस्तृत रूप से बताया गया तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण पर जोर दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

इसी संदर्भ में मुरली मनोहर टाउन इण्टर कालेज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूली बच्चों का चित्रकला कार्यक्रम प्रात: 8.00 बजे से 9.00 बजे तक कराया गया व 10.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी बलिया द्वारा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के सम्बन्ध में प्रतिज्ञा / शपथ दिलाया गया, जिसमें प्रभागीय निदेशक बलिया, अपर जिलाधिकारी बलिया, नगर मजिस्ट्रेट बलिया, उपजिलाधिकारी सदर बलिया, समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट के समस्त कर्मचारियों द्वारा शपथ लिया गया। वन विभाग द्वारा वन विहार पार्क जीराबस्ती में विश्व पर्यावरण दिवस की विषय वस्तु प्लास्टिक प्रदूषण हेतु समाधान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन, नुक्कड़ नाटक, वाद विवाद प्रतियोगिता, जागरूकता कार्यक्रम आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये बच्चों को पुरस्कृत किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मा0 अपर जनपद न्यायधीश श्री सुरेन्द्र कुमार के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया तथा अन्य प्रतिभागियों को भी सान्तवना पुरस्कार प्रदान किया गया। मा0 न्यायधीश द्वारा वन विहार परिसर में मौलश्री पौध का रोपण कर पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही बलिया जनपद में वन विभाग के सभी रेंजों में विभिन्न प्रकार से जागरूकता कार्यक्रम, गोष्ठी का आयोजन, मिशन लाईफ के अन्तर्गत साफ-सफाई, स्वच्छ गंगा, पालीथीन मुक्त व विभिन्न स्थलों पर पौधरोपण कर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर श्री वी0के0आनन्द, प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, बलिया द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बलिया जनपद के जनपदवासियों से पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधरोपण, गंगा की सफाई, पालीथीन मुक्त, जल संरक्षण पर जोर देते हुए जनता से अपील किया गया कि अपने आस-पास पौधों का रोपण अवश्य करे । कार्यक्रम में राजेश कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय वन अधिकारी, बैरिया, शंकरनाथ सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी, बलिया,सुधीर कुमार सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी, बेल्थरारोड, अमित कुमार, क्षेत्रीय वन अधिकारी, सिकन्दरपुर, जयशंकर प्रसाद वर्मा, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी, श्री एजाज अहमद, वरिष्ठ सहायक श्री भूपेन्द्र कुमार तिवारी, प्रभारी आशुलिपिक श्री कृष्ण कुमार सिंह, वनदरोगा, श्री अखण्ड प्रताप सिंह, वनदरोगा, श्री अजय कुमार, वनदरोगा तथा वन विभाग के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

बेहद कम समय में बाहुबली बना, सियासत में छाया और फिर बर्बादी में नहीं लगी देरी

क्राइम कर्स

कहते हैं एक ना एक दिन वक्त जरूर बदलता है। ये वक्त ही है कि किसी को अर्श तो किसी को फर्श पर ला पटकता है। हम बात कर रहे हैं बाहुबली मुख्तार अंसारी की। पूर्वांचल में कभी जिस मुख्तार अंसारी के इशारे पर सरकारें अपना निर्णय बदल लेती थीं, आज उसी मुख्तार का बना बनाया हुआ साम्राज्य बर्बादी के कगार पर है। सोमवार को अवधेश राय हत्याकांड में मुख्तार अंसारी को पहली बार उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इससे पहले उसे अधिकतम 10 साल की सजा मिली थी। बीते आठ महीने 15 दिन में उसे छह मुकदमों में सजा सुनाई जा चुकी है। लगातार छठवीं सजा के साथ ही माफिया मुख्तार अंसारी पर कानूनी शिकंजा और कस गया है। मुख्तार की बेबसी के पीछे की वजह पारिवारिक सदस्यों का जेल में या फिर अलग-अलग मामलों में फरार होना है। मऊ से विधायक बेटा अब्बास अंसारी चित्रकूट जेल में है। उसकी पत्नी निखत अंसारी भी जेल में है। पत्नी आफ्शा अंसारी फरार चल रही है। उस पर इनाम घोषित किया जा चुका है। छोटा बेटा उमर अंसारी भी फरारी काट रहा है। उसके खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी हो चुका है। बड़ा भाई अफजाल अंसारी सजा काट रहा है। गाजीपुर जिले के यूसुफपुर निवासी माफिया मुख्तार अंसारी अपराध की दुनिया में पहली बार नाम वर्ष 1988 में हरिहरपुर के सच्चिदानंद राय हत्याकांड से सामने आया था। कुछ ही वर्षों में ही पूर्वांचल की तमाम हत्याओं और ठेकेदारी में मुख्तार का नाम खुलेआम लिया जाने लगा। सत्ता और प्रशासन का संरक्षण मिलने से मुहम्मदाबाद से निकलकर मुख्तार अंसारी अपराध की दुनिया में बड़ा नाम हो गया। करीब 40 साल पहले राजनीति में कदम रखने वाला मुख्तार देखते ही देखते प्रभावशाली नेता बन गया। विधानसभा में पूर्वांचल की मऊ सीट से लगातार लोगों की पहली पसंद बनकर पांच बार विधायक बना। मुख्तार अंसारी का जन्म 30 जून 1963 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के युसुफपुर में हुआ था। वह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मुख्तार अहमद अंसारी का पोता है। मुख्तार अंसारी मूल रूप से मखनू सिंह गिरोह का सदस्य था, जो 1980 के दशक में काफी सक्रिय था। अंसारी का यह गिरोह कोयला खनन, रेलवे निर्माण, स्क्रैप निपटान, सार्वजनिक कार्यों और शराब व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में लगा हुआ था। अपहरण, हत्या व लूट सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता था। जबरन वसूली का गिरोह चलाता था। मऊ, गाजीपुर, वाराणसी और जौनपुर में सक्रियता ज्यादा थी। 20 से भी कम की उम्र में मखनू सिंह गिरोह में शामिल होकर मुख्तार अपराध की सीढ़ियां चढ़ता रहा। जमीन पर कब्जा, अवैध निर्माण, हत्या, लूट, सहित अपराध की दुनिया के कुछ ही ऐसे काम होंगे, जिनसे मुख्तार का नाम न जुड़ा हो। साढ़े 17 साल से जेल में है मुख्तारमाफिया मुख्तार अंसारी की उम्र जेल के सलाखों के पीछे ही बीत रही है। वह साढ़े 17 वर्षों से जेल में है। मऊ दंगे के बाद मुख्तार अंसारी ने 25 अक्तूबर 2005 को गाजीपुर में आत्म समर्पण किया था और वहीं की जिला जेल में दाखिल हुआ था। मुख्तार जब से जेल में बंद है, तब से लेकर अब तक उस पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए हैं। मुहम्मदाबाद के फाटक निवासी मुफ्तार अंसारी चार दशक से जरायम की दुनिया में है। इस दौरान कई चर्चित आपराधिक घटनाओं में मुख्तार अंसारी का नाम आया। पूर्वांचल में कभी जिस मुख्तार अंसारी के इशारे पर सरकारें अपना निर्णय बदल लेती थी, आज उसी मुख्तार का बना बनाया हुआ साम्राज्य ढह रहा है। ये सिलसिला बीते छह-सात वर्षों में तेज हुआ है।